A STUDY OF CROPPING AND AGRICULTURE PATTERN AT CHAINPUR VILLAGE OF MAHUADANR BLOCK, LATEHAR, JHARKHAND

A DISSERTATION SUBMITTED TO ST. XAVIER'S COLLEGE MAHUADANR

AFFILIATED TO NILAMBER PITAMBER UNIVERSITY

BACHELOR OF ARTS

BY

GROUP – E

Mr. LAXMI RAM (Reg. No.- NPU2020013228)

Miss SWEETY XALXO (Reg. No.- NPU2020013305)

Miss ANJU TOPPO (Reg. No.- NPU2020013287)

Miss KHUSHBOO LAKRA (Reg. No.- NPU2020013319)

Miss ASMITA KUJUR (Reg. No.- NPU2020013271)

Under the guidance of

Asst. Prof. SHEPHALI PRAKASH

DEPARTMENT OF GEOGRAPHY

ST. XAVIER'S COLLEGE MAHUADANR

Nationally Accredited with Grade 'B' (NAAC)

MAHUADANR (822119), LATEHAR JHARKHAND

CERTIFICATE

This is to certify that the dissertation entitled **"A Study of Cropping and Agriculture Pattern at Chainpur village of Mahuadanr Block, Latehar, Jharkhand"** submitted to **St. Xavier's College Mahuadanr** in partial fulfillment of requirement for the award of Bachelor of Arts in Geography to awarded by the **University of Nilamber Pitamber** is a bonafied record of the work carried out by

Mr. LAXMI RAM (Reg. No.- NPU2020013228)
Miss SWEETY XALXO (Reg. No.- NPU2020013305)
Miss ANJU TOPPO (Reg. No.- NPU2020013287)
Miss KHUSHBOO LAKRA (Reg. No.- NPU2020013319)
Miss ASMITA KUJUR (Reg. No.- NPU2020013271)

ASST. PROF. SHEPHALI PRAKASH
Head of the Department,
Department of Geography
St. Xavier's College Mahuadanr,
Latehar – 822119, Jharkhand

Head of the Department
Dept. of Geography
St. Xavier's College, Mahudanr
Latehar, Jharkhand - 822119

ASSISTANT PROF.
SHEPHALI PRAKASH
Dissertation Guide
St. Xavier's College Mahuadanr
Latehar – 822119, Jharkhand

ACKNOWLEDGEMENT

First of all, we praise and thank the **ALMIGHTY GOD** from the depth of heart for showering his grace, love and blessing to make this Endeavor possible.

We are profoundly thankful to my beloved principal, **Fr. MK Joseph SJ** for allowing me to study the under graduate course in this historical institution.

We thank **Miss. Shephali Prakash, Head of the Department of Geography**, St. Xavier's College Mahudanr – 822119 , for allowing me to take this dissertation and for permission to use the lab and the instruments available in the department.

Assistant Prof. Miss. Shephali Prakash (M.A NET) was my guide for this dissertation. We extremely grateful for her inspiring guidance, useful discussions and encouragement throughout the dissertation and whose meticulous and patient guidance has enriched me personally and intellectually.

We express my heartfelt thanks to all my fellow student who encouraged me to finish this dissertation successfully.

Mr. LAXMI RAM Laxmi Ram
Miss SWEETY XALXO Sweety Xalxo
Miss ANJU TOPPO Anju Toppo
Miss KHUSHBOO LAKRA Khushboo Lakra
Miss ASMITA KUJUR Asmita Kujur

क्रम संख्या	विषय	पृष्ठ	हस्ताक्षर
	प्रमाण पत्र		
	स्वीकृति		
1	भूगोल 1.1 भूगोल का परिचय 1.2 भूगोल का अर्थ 1.3 भूगोल का विषय क्षेत्र 1.4 भौतिक घटनाओं का अध्ययन 1.5 भूगोल की प्रकृति 1.6 भूगोल का उद्देश्य	1-7	
2	कृषि भूगोल 2.1 परिचय 2.2 कृषि भूगोल के उद्देश्य 2.3 कृषि भूगोल का विषय क्षेत्र 2.4किसी भूगोल की प्राकृतिक स्वरूप	8-10	
3	**अध्ययन क्षेत्र का भौगोलिक वर्णन** 3.1 झारखंड का परिचय 3.2 झारखंड राज्य में उगाई जाने वाली फसल 3.3 महुआडांड़ का परिचय 3.4 झरना 3.5 लोध जलप्रपात 3.6 महुआडांड़ के अक्षांश और देशांतर का विस्तार	10-12	
4	**चैनपुर गांव का अध्ययन** 4.1 चैनपुर 2011 जनगणना वितरण 4.2 जनसंख्या चैनपुर गांव का संक्षिप्त विवरण 4.3 चैनपुर गांव में राजनीतिक व्यवस्था 4.4	13-20	

निष्कर्ष

कृषि का कार्य मनुष्य की उत्पत्ति के नवपाषाण काल में ही शुरू हो गया था कृषि मनुष्य के जीविका के लिए एक महत्वपूर्ण कार्य है इसके माध्यम से वह अपने आय एवं जीविका के लिए कार्य करते हैं विश्व के विभिन्न भागों में कृषि का कार्य आज बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को किसी भी देश को अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए उस देश की प्राथमिक कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सबसे महत्वपूर्ण होता है किसी एक देश की विकास की रीढ़ होती है वह मनुष्य के जीवन यापन उसके प्राप्त करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है

अलग-अलग भागों में कृषि के विभिन्न प्रकार भी हैं औद्योगिक उत्पादन को प्रोत्साहित करते हैं विभिन्न प्रकार के क्षेत्रों में विशेष रूप से निर्भर करती है कृषि का मुख्य उद्देश्य लोगों के जीविका और उनके में वृद्धि करना होता है कि विशेष रूप से विभिन्न देशों में विद्यमान है सर्वेक्षण कार्य के दौरान हमने विभिन्न प्रकार के कृषि से संबंधित आंकड़े एकत्रित किए सर्वेक्षण ने चैनपुर गांव को किया था जो कि झारखंड राज्य के लातेहार जिला का महुआ प्रखंड के एक गांव है जो प्रखंड से लगभग 15 किलोमीटर पश्चिम की ओर एक गांव है इसका ग्राम पंचायत चैनपुर होता है इस ग्राम में हमने सर्वेक्षण सजा अधिकतर परिवार खेती का कार्य करते हैं उनके लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के लाभ योजनाएं नहीं मिल पाते हैं डीजल पंप नहीं मिल पाता है ये वर्ष में तीनों प्रकार की खेती का कार्य करते हैं रबी और खरीफ फसल विभिन्न प्रकार के कार्यों से प्राप्त करते हैं किसी का कार्य चिलकुर में विभिन्न प्रकार के अभाव के बावजूद भी अत्यधिक मात्रा से किया जा रहा है क्योंकि वहां हम लोगों ने यह देखने को मिला कि वहां के लोग किसी के प्रति अत्यधिक इंसान हैं इसी से ही में अपने जीविका अपने प्राप्त करते हैं और उनका उपयोग विशेष रूप से अपने बच्चों को पढ़ाने लिखाने का कार्य अर्थात घर को चलाने के लिए करते हैं इनसे हमें पता चला कि चैनपुर गांव के लोग किसी से संलग्न हैं कृषि में संलग्न है और किसी पर ही वह पूर्वजों से वह कार्य करते आ रहे हैं तो अभी तक वे कृषि कार्य ही कर रहे हैं हमने चैनपुर गांव के लगभग 40 से 41 घर जाकर या डाटा इकट्ठा किया झारखंड सरकार को कृषि क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न प्रकार के सुविधाएं जैसे नल उच्च किस्म के बीजों को बंटवारा करना आवश्यक है क्योंकि क्षेत्र के लोग किसी से अत्यधिक तीनों से चुनाव हैं अत्यधिक दिनों से जुड़े हुए हैं।